

कक्षा - शास्त्री
विषय: - धर्मशास्त्रम्
धर्मद्रुमः (आदितः तृतीयाध्यायपर्यन्तम्)

सत्राद्वम् : प्रथमम्

पत्रम् : प्रथमम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - धर्मद्रुमः | पूर्णाङ्काः | अवधि: | श्रेयोङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|--|--|----------|------------|
| 101.6 | प्रथमम् | | पाठ्यांशः - आदितः तृतीयाध्यायपर्यन्तम् | १०० | १० होरा: | ०५ |
| | | १ | ग्रन्थस्य ग्रन्थकारस्य च परिचयः, धर्मस्यार्थः धर्मशास्त्रस्य च परिचयः, धर्मस्योपादानानि, धर्मशास्त्रग्रन्थानां निर्माणकालः । | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | २ | धर्मसूत्राणि, गौतमधर्मसूत्रम्, बौद्धायनधर्मसूत्रम्, आपस्तम्बधर्मसूत्रम्, हिरण्यकेशधर्मसूत्रम्, वशिष्ठधर्मसूत्रस्य परिचयः । | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | ३ | विष्णुधर्मसूत्रम्, हारीतधर्मसूत्रम्, शंखलिखितधर्मसूत्रम्, मानवधर्मसूत्रस्य परिचयः । | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | ४ | अर्थशास्त्राणि नीतिशास्त्राणि च, कौटिल्यार्थशास्त्रम्, कामन्दकीय नीतिशास्त्रञ्च परिचयः । | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | ५ | विदुनीते: परिचयः, प्रमुखस्मृतिकाराणां स्मृतिग्रन्थानाञ्च परिचयः । | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १.आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् २.शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्चा ३.शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च ४.उपस्थितिः ७५% = ०१ अङ्कः ७६%-८०% = ०२ अङ्कौ ८१%-८५% = ०३ अङ्कः ८६%-९०% = ०४ अङ्कः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्काः | अङ्काः ०५ अङ्काः ०५ अङ्काः ०५ अङ्काः ०५ २० | - | - |

सहायकपुस्तकानि -

- 1. धर्मद्रुमः
- 2. धर्मशास्त्रस्येतिहासः
- 3. धर्मशास्त्र का इतिहास
- 4. मनुस्मृतिः
- 5. याज्ञवल्यः स्मृतिः
- 6. पाराशरस्मृतिः
- 7. गौतमधर्मसूत्रम्
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेयः, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेयः, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- डॉ. पी.वी. काणे, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- कुल्लूबुभु, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- डॉ. उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- डॉ. माधवेन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
- डॉ. उमेश चन्द्र पाण्डेय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी

कक्षा - शास्त्री
विषय: - पर्यावरण-अध्ययनम्

सत्रार्द्धम् : प्रथमम्

पत्रम् : द्वितीयपत्रम्

| विषय गूढाइकः | प्रश्नपत्र- क्रमाइकः | एककम् | पाठ्यग्रन्थ: - | पूर्णाइका: | अवधि: | श्रेयोऽइकः |
|-----------------|-------------------------|-------|--|--|----------|------------|
| 102.1 | द्वितीयपत्रम् | | पाठ्यांशः - | ५० | ४५ होरा: | ०२ |
| | | १ | पर्यावरण, परिस्थिकी तंत्र, परिस्थिकी तंत्र के प्रकार, वन एवं जल, खनिज सम्पदा, खाद्य, उर्जा, जैव, भौगोलिक एवं जैव विविधता। | २० | २२ | १ |
| | | २ | वन एवं संरक्षण, प्रदूषण, ठोस कचरा तथा प्राकृतिक आपदाओं का प्रबन्धन, जलवायु, परिवर्तन एवं पर्यावरण कानून, मानव जनसंख्या, पर्यावरण सम्बन्धी आंदोलन एवं संस्कृत साहित्य में पर्यावरण चेतना। | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याइकनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च ४. उपस्थितिः ७५% = ०१ अड्कः ७६%-८०% = ०२ अड्कौ ८१%-८५% = ०३ अड्काः ८६%-९०% = ०४ अड्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अड्काः। | अड्का: ०४ अड्का: ०२ अड्का: ०२ अड्का: ०२ १० | - | - |

अथवा

विषय: - आड्गाल-सम्प्रेषणम्

सत्रार्द्धम् : प्रथमम्

पत्रम् : द्वितीयपत्रम्

| विषय गूढाइकः | प्रश्नपत्र- क्रमाइकः | एककम् | पाठ्यग्रन्थ: - | पूर्णाइका: | अवधि: | श्रेयोऽइकः |
|-----------------|-------------------------|-------|--|--|----------|------------|
| 102.2 | द्वितीयपत्रम् | | पाठ्यांशः - | ५० | ४५ होरा: | ०२ |
| | | १ | Theory of Communication An Introduction, Language of Communication. | २० | २२ | १ |
| | | २ | Speaking Skills, Reading and Understanding & Writing Skills. | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याइकनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायौगिकम् २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च ४. उपस्थितिः ७५% = ०१ अड्कः ७६%-८०% = ०२ अड्कौ ८१%-८५% = ०३ अड्काः ८६%-९०% = ०४ अड्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अड्काः। | अड्का: ०४ अड्का: ०२ अड्का: ०२ अड्का: ०२ १० | - | - |

कक्षा - शास्त्री
विषय: - अनिवार्यसंस्कृतम्
लघुसिद्धान्तकौमुदी (भाग: - I)

सत्रार्द्धम् : प्रथमम्

पत्रम् : तृतीयम्

| विषय गूडाइकः | प्रश्नपत्र- क्रमाइकः | एककम् | पाठ्यविषयाः- लघुसिद्धान्तकौमुदी अनुवादञ्च | पूर्णाइकाः | अवधिः | श्रेयोऽइकः |
|-----------------|-------------------------|-------|--|---|--|------------|
| | | | पाठ्यांशः | १०० | १० होरा: | ०४ |
| 103 | तृतीयम् | १ | व्याकरणशास्त्रस्य परिचयः, संज्ञा प्रकरणम्, सन्धि प्रकरणम्, सूत्रबोधः, प्रयोगसिद्धिः। | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | २ | सुबन्त प्रकरणम् – राम, हरि, सर्व, रमा, ज्ञान, लिह, चतुर, इदम् अस्मद्, युष्मद्, उपानह, अप्, अहन्। | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | ३ | तिङ्गन्त प्रकरणम् – भू, एध, गम् अद्, हु, दिव्, षूज्, तुद्, रुध् तन् कृ, क्री, चुर्। | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | ४ | कृदन्त प्रकरणम्- षुल्, तृच्, अण्, क, ट, खश्, णिनि, क्त, क्तवतु, शत्-शानच्, इव्, ष्ट्रन्। | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | ५ | उत्तरकृदन्त – क्त्वा, तुमन्, ल्यप्, घञ्, अच्, अप्, कि, क्तिन्, णमुल्। अव्यय प्रकरणम्, अनुवादञ्च। | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | | | आन्तरिकमूल्याइकनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च ४. उपस्थितिः ७५% = ०१ अड्कः ७६%-८०% = ०२ अड्कौ ८१%-८५% = ०३ अड्काः ८६%-९०% = ०४ अड्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अड्काः | अड्काः ०५ अड्काः ०५ अड्काः ०५ अड्काः ०५ २० | - |

सहायक पुस्तकानि -

1. लघुसिद्धान्तकौमुदी
 2. लघुसिद्धान्तकौमुदी
 3. लघुसिद्धान्तकौमुदी
 4. लघुसिद्धान्तकौमुदी
 5. लघुसिद्धान्तकौमुदी
 6. लघुसिद्धान्तकौमुदी
 7. लघुसिद्धान्तकौमुदी
 8. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (खण्ड-15 व्याकरण)
 9. व्याकरणशास्त्रस्येतिहासः
 10. व्याकरण शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास
 11. रचनानुवाद कौमुदी
- स्वामीगोविन्दप्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
 - श्रीधरानन्द शास्त्री, मोतीलाल बनारसी दास, नई दिल्ली
 - भीमसेन शास्त्री, भैमी प्रकाशन, 537 लाजपत राय मार्केट, नई दिल्ली
 - सत्यपाल सिंह, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली
 - गीताप्रेस, गोरखपुर
 - डॉ. सुरेन्द्र देव शास्त्री, चौखम्बा ओरियन्टलिया, नई दिल्ली
 - डॉ. रमाकान्त पाण्डेय, भारतीय विद्या संस्थान, नई दिल्ली
 - उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ
 - डॉ. ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
 - श्री रमाकान्त मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी
 - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

कक्षा - शास्त्री
विषय: - अनिवार्य संस्कृतम्
वेद: एवम् उपनिषद्

सत्रार्द्धम् : प्रथमम्

पत्रम् : चतुर्थम्

| विषय गूढाङ्क: | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्क: | एककम् | पाठ्यग्रन्थ: - वेद: एवम् उपनिषद् | पूर्णाङ्काः | अवधि: | श्रेयोङ्क: |
|------------------|--------------------------|-------|--|--|----------|------------|
| 104 | चतुर्थम् | | पाठ्यांशः (इकाई) | १०० | १० होरा: | ०४ |
| | | १ | कपिष्ठलसंहिता - प्रथमोद्यायः (सम्पूर्णम्) १-९ मन्त्राः | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | २ | कपिष्ठलसंहिता - प्रथमोद्यायः (सम्पूर्णम्) १०-१९ मन्त्राः | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | ३ | कपिष्ठलसंहिता - सप्तविंशोद्यायः (सम्पूर्णम्) १-६ मन्त्राः | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | ४ | केनोपनिषद् - प्रथमः द्वितीयोखण्डश्च १-२ | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | ५ | केनोपनिषद् - तृतीयः चतुर्थोखण्डश्च ३-४ | १६ | १८ होरा: | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तनियतकार्यम् २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्चा ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च ४. उपस्थितिः ७५% = ०१ अड्कः ७६%-८०% = ०२ अड्कौ ८१%-८५% = ०३ अड्काः ८६%-९०% = ०४ अड्काः ९१% तः अधिकम् = ०५ अड्काः | अड्काः ०५ अड्काः ०५ अड्काः ०५ अड्काः ०५ २० | - | - |

सहायकपुस्तकानि -

- 1. कपिष्ठलसंहिता
- 2. केनोपनिषद्
- 3. केनपनिषद्
- 4. कृष्णायजुर्वेदीयतैत्तिरीयसंहिता
- 5. तैत्तिरीयसंहिता- भट्टभास्करसयणभाष्यस्यसंहिता:
- महरचन्द्र, लक्ष्मणदास लाहौर, रघुवीर पं.
- चौखम्बा - सुरभारती - प्रकाशनम्, वाराणसी
- गीता-प्रेस, गोरखपुर
- श्रीलालबहादुरशास्त्रीकेन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः, नई-दिल्ली
- वैदिक - संशोधन - मण्डलम्, पूना

कक्षा - शास्त्री
विषय: - अनिवार्य-संस्कृतम्
संस्कृत-भाषा-दक्षता

सत्राद्वृत्म् : प्रथमम्

पत्रम् : पञ्चमम्

| गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र-क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः – रचनानुवादकौमुदी, बृहद्-अनुवादचन्द्रिका | पूर्णाङ्कः | अवधि: | श्रेयोऽङ्कः |
|----------|----------------------|-------|---|------------|----------|-------------|
| | | | पाठ्यांशः - | ५० | ४५ होरा: | ०२ |
| | | १ | प्रमुखसन्धयः – अच्, हल्, विसर्गादयः, अव्ययानि, उपसर्गाः, प्रमुखशब्दरूपाणि – बालक-लता-हरि-नदी-साधु-पितृ- मातृ- ज्ञान-सर्वनाम-शब्दरूपाणि, कारकाणि । | २० | २२ | १ |
| 105 | पञ्चमम् | २ | प्रमुखधातुरूपाणि – भू-लिख्-पठ्-गम्-स्था-हस्-वद्-ग्रह्-जागृ- शी-याच्-मन्-श्रु-दृश्-खाद्-पा-क्रीड्-कृ-ज्ञा । प्रत्ययाः – तुमन्-त्वा-त्यप्-शत्-शानच्-क्त-क्तवतु-तव्यत्- अनीयर् । वाच्यानि वाक्यरचना च । आन्तरिकमूल्याङ्कनम् १. आन्तरिकपरीक्षणम् / प्रदत्तकार्यम् / प्रायोगिकम् अङ्कः ०४ २. शास्त्रसम्बद्धसंगोष्ठी / शास्त्रपरिचर्या अङ्कः ०२ ३. शिक्षणस्रोतस्सामग्र्याः चयनं प्रबन्धनञ्च अङ्कः ०२ ४. उपस्थितिः अङ्कः ०२ $७५\% = ०१$ अङ्कः $७६\%-८०\% = ०२$ अङ्कौ $८१\%-८५\% = ०३$ अङ्कः $८६\%-९०\% = ०४$ अङ्कः ९१% तः अधिकम् = ०५ अङ्कः । | २० | २३ | १ |
| | | | | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि :-

- | | |
|----------------------------|---|
| 1. रचनानुवादकौमुदी | - कपिलदेव द्विवेदी विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी |
| 2. बृहद् अनुवाद चन्द्रिका | - चक्रधर नैटियाल हंस, मोतीलाल बनारसीदास |
| 3. संस्कृतव्याकरणप्रवेशिका | - डॉ. बाबूराम सक्सेना, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन |
| 4. संस्कृतशिक्षणसरणी | - आचार्य रामशास्त्री, परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली |

कक्षा - शास्त्री
विषय: - वेदः
पौरोहित्यकर्मसारः प्रथमोभागः (कर्मकाण्डम्)

सत्रार्द्धम् : प्रथमम्

पत्रम् : षष्ठपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - पौरोहित्यकर्मसारः प्रथमोभागः (कर्मकाण्डम्) | पूर्णाङ्कः | अवधि: | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|---|------------|----------|-------------|
| 106.1 | षष्ठपत्रम् | | पाठ्यांशः (इकाई) | ५० | ४५ होरा: | ०२ |
| | | १ | प्रातस्स्मरणीयश्लोकाः । सन्ध्यावन्दनम् । स्वस्तिवाचनम् । देवस्तुतिः । सङ्कल्पः । गणेशाभिकयोः पूजनम् । पञ्चोपचार- षोडशोपचार पूजनम् । | २० | २२ | १ |
| | | २ | कलशस्थापनम् । वरुणाद्यावाहितदेवतापूजनम् । पुण्याहवाचनम् । नवग्रहशान्तिः । | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि -

- पौरोहित्यकर्मसारः - पं. श्रीरमाकान्तठक्कुरेणसङ्गृहीतः, चौखम्बा-संस्कृत-संस्थानम्, वाराणसी
- यज्ञमार्तण्डः - डॉ. कुशेश्वरद्वाः, वेदविद्याशोधसंस्थानम्, कोलकाता
- नित्यकर्मपूजाप्रकाशः - गीता-प्रेस, गोरखपुर

अथवा

विषयः - ज्योतिषम्
जन्मपत्रदीपकः (जन्मकुण्डली-निर्माणम्)

सत्रार्द्धम् : प्रथमम्

पत्रम् : षष्ठमम्

| गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - जन्मपत्रदीपकः (जन्मकुण्डली-निर्माणम्) | पूर्णाङ्कः | अवधि: | श्रेयोऽङ्कः |
|----------|--------------------------|-------|--|------------|----------|-------------|
| 106.2 | षष्ठमम् | | पाठ्यांशः - (पञ्चाङ्गपरिचयः दशासाधनपर्यन्तम्) | ५० | ४५ होरा: | २ |
| | | १ | पञ्चाङ्गपरिचयः, इष्टकालसाधनम्, अभीष्टस्थानस्य- सूर्योदयसाधनम्, चालनम्, ग्रहस्पृष्टीकरणम्, भयात-भभोगसाधनम्, चन्द्रस्पृष्टीकरणम्, अयनांशज्ञानम्, पलभाज्ञानम्, चरखण्डसाधनम् । | २० | २२ होरा: | १ |
| | | २ | लंकोदयमानानि, स्वोदयमानानि, लग्नसाधनम्, नतसाधनम्, दशमलग्नसाधनम्, ससन्धिद्वादशभावसाधनम्, विंशोपकबलसाधनम्, विंशोत्तरी-दशासाधनम्, अन्तर्दशा-साधनम् । | २० | २३ होरा: | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि :-

- जन्मपत्रदीपक - डॉ. विकास/डॉ. रत्नलाल, सत्यम् पब्लिशिंग हाऊस
- जन्मपत्रदीपकः - पं. गणपति लाल शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
- जन्मपत्रदीपकः - विन्द्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
- भारतीय ज्योतिषः - नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, लोदी रोड, नई दिल्ली
- भारतीयज्योतिषम् - शिवनाथ झारखण्डी, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ ।
- संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (खण्ड-16 ज्योतिष) - उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ

कक्षा - शास्त्री
विषय: - वेदः
ईशावास्योपनिषदः अनुसारं जीवनदर्शनम्

सत्रार्द्धम् : प्रथमम्

पत्रम् : सप्तमपत्रम्

| विषय गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - ईशावास्योपनिषदः अनुसारं जीवनदर्शनम् | पूर्णाङ्काः | अवधि: | श्रेयोऽङ्कः |
|------------------|--------------------------|-------|--|-------------|----------|-------------|
| 107.1 | सप्तमपत्रम् | | पाठ्यांशः (इकाई) | ५० | ४५ होराः | ०२ |
| | | १ | ईशावास्योपनिषदः - १-९ मन्त्राः | २० | २२ | १ |
| | | २ | ईशावास्योपनिषदः - १०-१८ मन्त्राः | २० | २३ | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि -

१. ईशावास्योपनिषद्
 २. ईशावास्योपनिषद्
- डॉ. दीपककुमारः, चौखम्बा -संस्कृत- प्रतिष्ठानम्, दिल्ली
- गीता-प्रेस, गौरखपुर

अथवा

विषय: - ज्योतिषम्

अवकहडाचक्रम् (ज्योतिषशास्त्रस्य प्रारम्भिकज्ञानम्)

सत्रार्द्धम् : प्रथमम्

पत्रम् : सप्तमम्

| गूढाङ्कः | प्रश्नपत्र- क्रमाङ्कः | एककम् | पाठ्यग्रन्थः - अवकहडाचक्रम् (ज्योतिषशास्त्रस्य प्रारम्भिकज्ञानम्) | पूर्णाङ्काः | अवधि: | श्रेयोऽङ्कः |
|----------|--------------------------|-------|---|-------------|----------|-------------|
| 107.2 | सप्तमम् | | पाठ्यांशः - | ५० | ४५ होराः | २ |
| | | १ | वारनामानितः - राशीनां नामानि पर्यन्तम्। चन्द्रराशिक्रमतः - तिथिगण्डान्तविचारपर्यन्तम्। अमृतसिद्धियोगतः - कालयोगपर्यन्तम्। | २० | २२ होराः | १ |
| | | २ | योगिनीवासविचारतः - ग्रहाणां विशेषद्विविचारपर्यन्तम्। गर्भाधानमुहूर्ततः - अभिजिन्मुहूर्तपर्यन्तम्। | २० | २३ होराः | १ |
| | | | आन्तरिकमूल्याङ्कनम् | १० | - | - |

सहायकपुस्तकानि :-

७. जन्मपत्रदीपक
 ८. जन्मपत्रदीपकः
 ९. जन्मपत्रदीपकः
 १०. भारतीय ज्योतिष
 ११. भारतीयज्योतिषम्
 १२. संस्कृत वाङ्मय का वृहद् इतिहास (खण्ड-१६ ज्योतिष)
- डॉ. विकास/ डॉ. रत्नलाल, सत्यम् पब्लिशिंग हाऊस
- पं. गणपति लाल शर्मा, हंसा प्रकाशन, जयपुर
- विन्ध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा संस्कृत सीरीज, वाराणसी
- नेमिचन्द्र शास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ, लोदी रोड, नई दिल्ली
- शिवनाथ झारखण्डी, उत्तरप्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ।
- उत्तरप्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ।